Roll Number		

SET B

INDIAN SCHOOL MUSCAT
FINAL EXAMINATION
HINDI COURSE B

CLASS: X **Sub. Code: 085** **Time Allotted: 3 Hrs**

31.1.2021 **Max. Marks: 80**

सामान्य निर्देश–

1– इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड हैं– अ और ब।
2– दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3– खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न वस्तुपरक हैं। ध्यान से पढ़कर सभी विकल्प चुनें।
4– खण्ड 'ब' के सभी प्रश्न वर्णनात्मक हैं। ध्यान से पढ़कर उनका उत्तर लिखें।
5– कुल 18 प्रश्न और 9 पृष्ठ हैं।
6– कृपया उत्तर लिखने से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें

खण्ड – अ (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1×5=5**

भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र आध्यात्मिकता है। त्याग और तपस्या उसके प्राण हैं। अर्थ में त्याग, काम में संयम, धर्म में निष्ठा, गुरु का सम्मान, वर्णाश्रम व्यवस्था, पारिवारिक जीवन की महत्ता आदि भारतीय संस्कृति के प्रमुख अवयव हैं।

देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण भारतीय संस्कृति के उदात्त तत्व हैं। हर व्यक्ति को इन ऋणों से उऋण हो जाना चाहिए। जल, वायु, सूर्य, वृक्ष, पृथ्वी आदि प्राकृतिक शक्तियाँ हमें जीवन देती हैं। इसलिए देवता मानकर इनकी पूजा की जाती है। इनकी रक्षा करके ही देवऋण से मुक्ति मिल सकेगी। ऋषियों और विद्वानों ने ज्ञान प्राप्त किया उसे लोगों तक पहुँचाया और भविष्य के लिए सुरक्षित किया।

ज्ञान को लोगों तक पहुँचाना हम सभी का परम कर्त्तव्य होना चाहिए। अमूल्य ज्ञान को भविष्य के लिए सुरक्षित करने की नैतिक जिम्मेदारी भी निभानी होगी। इस प्रकार हम ऋषिऋण से मुक्त हो सकते हैं। माता–पिता हमें जन्म देते हैं। शिक्षित–दीक्षित कर हमें जीवन जीने योग्य बनाते हैं। अपने जीवन में यही जिम्मेदारी अपनी संतान के प्रति पूरा कर हम पितृऋण से मुक्त हो सकते हैं। इस प्रकार भारतीय संस्कृति अनोखी संस्कृति है जिसका लक्ष्य है– मनुष्य का सामूहिक कल्याण।

1– भारतीय संस्कृति का एक मुख उद्देश्य है–

क– वर्णाश्रम व्यवस्था, ख– सामूहिक कल्याण।
ग– देवऋण, घ– ऋषिऋण

2– ज्ञान बाँटकर और उसे भविष्य के लिए सुरक्षित कर हम मुक्त हो सकते हैं–

क– पितृऋण से ख– ऋषिऋण से
ग– देवऋण,से घ– देवऋण और ऋषिऋण से

3– पितृऋण से हम मुक्त हो सकते हैं–

क– समाज के प्रति जिम्मेदारी पूरी कर ख– पिता की सेवा करके
ग– अपनी संतान को शिक्षित–दीक्षित कर घ– माँ की सेवा करके

4– जल, वायु, सूर्य, वृक्ष, आदिं की सुरक्षा कर हम मुक्त हो सकेंगे–

क– देवऋण से ख– पितृऋण से
ग– ऋषिऋण से घ– देवऋण और ऋषिऋण से

5– गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है–

क– प्रकृति की सुरक्षा ख– भारतीय संस्कृति की विशेषता
ग– जीवन का ज्ञान घ– सबका कल्याण

प्रश्न–2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में सही विकल्प चुनकर लिखिए–** 1×5=5

अनुशासन ही मानव जीवन का आभूषण और श्रृंगार है। यह मनुष्य के जीवन का सब से शुभ लक्षण है। विद्यार्थी जीवन के लिए तो यह नितान्त आवश्यक है। विद्यार्थी जीवन का परमलक्ष्य विद्या–प्राप्ति है और विद्या–प्राप्ति के लिए अनुशासन–पालन बहुत आवश्यक है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासनहीनता अत्यंत हानिकारक है। इससे शिक्षा–क्षेत्र का माहौल खराब होता है। इससे माता–पिता का मेहनत से कमाया हुआ धन व्यर्थ चला जाता है। अनुशासनहीनता से देश और समाज को क्षति पहुँचती है। जो विद्यार्थी अनुशासन भंग करता है, वह स्वयं अपने हाथों से अपना भविष्य बिगाड़ता है।

अनुशासनहीन विद्यार्थी कुसंगति में पड़ते हैं तो उन्हें नशे की लत लग जाती है। उनका तन और मन दोनों कमज़ोर पड़ने लगता है। वे अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाते। इसलिए धीरे–धीरे वे समाज की मुख्यधारा से अलग–थलग पड़ जाते हैं।

अनुशासनहीनता से निकालकर विद्याथियों को उनके कल्याण के बारे में बताना होगा, तभी उनका जीवन प्रगति–पथ पर आगे बढ़ सकेगा। आज के नवयुवक विद्यार्थियों में यह विश्वास पैदा करना होगा कि उनमें शक्ति का अपार भंडार है। उनका सही मार्ग दर्शन करना होगा और उनकी शक्ति का समुचित उपयोग भी। इसके लिए समाज के जो भी लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें अपना उत्तरदायित्व ईमानदारी से निभाना होगा।

1– मानव जीवन का आभूषण और श्रृंगार किसे कहा गया है–

क– अनुशासन को
ख– विद्या–प्राप्ति को
ग– कर्मठता को
घ– सदाचार को

2– शिक्षा–क्षेत्र का माहौल किससे खराब होता है ?

क– अनुशासन से
ख– अनुशासनहीनता से
ग– सरकार की नीतियों से
घ– विद्यालय की नीतियों से

3– विद्यार्थियों को नशे की लत कैसे लग जाती है ?

क– बुरी संगति में पड़ने से
ख– अपनी जिम्मेदारी न निभाने से
ग– समाज से अलग पड़ने पर
घ– अनुशासनहीन हो जाने से

4– विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है–

क– शिक्षा प्राप्त करना
ख– अनुशासन में रहना
ग– कुसंगति से बचना
घ– अपना भविष्य सुधारना

5– 'माता–पिता' में समास–भेद है–

क– द्विगु समास
ख– तत्पुरुष समास
ग– द्वंद्व समास
घ–कर्मधारय समास

प्रश्न–3 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदबंधों के भेद पहचानिए– **1×4=4**

1– <u>भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी</u> का खूब प्रचार हो रहा है।

क– संज्ञा पदबंध
ख– सर्वनाम पदबंध
ग– विशेषण पदबंध
घ– क्रिया पदबंध

2– <u>हमेशा सबकी सहायता करनेवाले आप</u> महान हैं।

क– विशेषण पदबंध
ख– सर्वनाम पदबंध
ग– संज्ञा पदबंध
घ– क्रिया पदबंध

3– पतंग आकाश में <u>उड़ती जा रही थी</u>।

क– क्रिया विशेषण पदबंध
ख– सर्वनाम पदबंध
ग– विशेषण पदबंध
घ– क्रिया पदबंध

4– <u>मेरे विद्यालय के सामने वाला</u> बगीचा सुंदर है।

क– क्रिया पदबंध
ख– सर्वनाम पदबंध
ग– संज्ञा पदबंध
घ– विशेषण पदबंध

प्रश्न–4 **निम्नलिखित वाक्यों में रचना के आधार पर वाक्य प्रकार पहचानिए–** 1×4=4

निम्नलिखित वाक्य में रचना के आधार पर वाक्य प्रकार पहचानिए–

1 चूँकि समय पर बस नहीं आई इसलिए मैं नहीं जा सका।

क– सरल वाक्य ख– संयुक्त वाक्स

ग– मिश्र वाक्स घ– प्रश्न वाक्य

2– 'सुबह हुई । चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।' **का सरल वाक्य होगा–**

क– सुबह हुई कि चिड़ियाँ चहचहाने लगीं ।

ख– सुबह होते ही चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।

ग– सुबह हुई और चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।

घ– जब सुबह हुई तब चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।

3–'मेहनत करनेवाले विद्यार्थी सफल होंगे।' **का मिश्र वाक्य होगा–**

क– जैसे विद्यार्थी मेहनत करेंगे वैसे ही सफल होंगे।

ख– मेहनत करने पर विद्यार्थी सफल होंगे।

ग– विद्यार्थी मेहनत करेंगे इसलिए वे सफल होंगे।

घ– जो विद्यार्थी मेहनत करेंगे वे सफल होंगे।

4–'लोगों ने प्रधानमंत्रीजी के जोशीले भाषण की सराहना की।' **का संयुक्त वाक्य होगा–**

क– प्रधानमंत्रीजी के जोशीले भाषण पर लोगों ने सराहना की।

ख– प्रधानमंत्रीजी ने जोशीला भाषण दिया, तब लोगों ने सराहना की।

ग– लोगों ने सराहना की और प्रधानमंत्रीजी ने जोशीला भाषण दिया।

घ– प्रधानमंत्रीजी ने जोशीला भाषण दिया इसलिए लोगों ने सराहना की।

प्रश्न–5 निम्नलिखित शब्दों के समास–विग्रह और समास के भेद पहचानिए– **1×2=2**

1– **'नीलकंठ'** का सही समास–विग्रह और समास–भेद होगा–

क– नीला है कंठ जिसका– कर्मधारय समास

ख– नीला है कंठ जो – कर्मधारय समास

ग– नीला–कंठ – तत्पुरुष समास

घ– नीला और कंठ– द्वंद्व समास

2– **'हवन–सामग्री'** का सही समास–विग्रह और समास–भेद होगा–

क– हवन है जा सामग्री – कर्मधारय समास

ख– हवन और सामग्री – द्वंद्व समास

ग– हवन के लिए सामग्री – तत्पुरुष समास

घ– हवन से सामग्री – तत्पुरुष समास

प्रश्न–6 निम्नलिखित विग्रह पदों के समस्त–पद और समास के भेद पहचानिए– **1×2=2**

1– 'नव ग्रहों का समूह' का सही समस्त–पद और समास–भेद होगा–

क– नवग्रह – द्विगु समास
ख– नवग्रह– तत्पुरुषु समास
ग– नव–ग्रह – द्वंद्व समास
घ– नवग्रह – कर्मधारय समास

2– 'जितना उचित हो' का सही समस्त–पद और समास–भेद होगा–

क– यथोचित – अव्ययीभाव समास
ख– यथा उचित – द्वंद्व समास
ग– यथा–उचित – कर्मधारय समास
घ– यथोचित – तत्पुरुष समास

प्रश्न–7 **निम्नलिखित वाक्यों के खाली जगहों के लिए उचित मुहावरे पहचानिए–** **1×4=4**

1– अपने खोए हुए बेटे को तीन माह बाद पानेपर माँ की ————————रहा।
क– गिरह बाँधं लो ख– खुशी का ठिकाना न होना
ग– अक्ल ठिकाने आ जाना घ– जले पर नमक छिड़कना

2– दुर्घटना में पति की मृत्यु की खबर सुनकर पत्नी अपना ———————— बैठी है।
क– खुशी का ठिकाना न होना ख– सुध–बुध खोना
ग– आग बबूला होना घ– अक्ल ठिकाने आ जाना

3– पुलिस को देखते ही उसकी——— गई, और उसने अपनी चोरी स्वीकार कर ली।
ख– अक्ल ठिकाने आ जाना ख– बाट जोहना
ग– आग बबूला होना घ– गिरह बाँध लो

4– बोर्ड की परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक पाने के लिए दिन–रात————पड़ता है।
क– गिरह बाँध लो ख– अक्ल ठिकाने आ जाना
ग– खून जलाना घ– अगर–मगर करना

प्रश्न–8 निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1×4=4**

सुखिया सब संसार है , खायै अरू सोवै ।
दुखिया दास कबीर है , जागै अरू रोवै ।।
हम घर जाल्या आपणाँ , लिया मुराड़ा हाथि ।
अब घर जालौं तास का , जे चले हमारे साथि ।

1– कबीरजी के अनुसार संसार में सुखी व्यक्ति कौन है ?
क– जो अज्ञानी और निश्चिंत हैं ख– जो ज्ञानी और ईश्वर वियोग में हैं
ग– जो व्यक्ति धनी हैं घ– जो ईश्वर का भक्त है

2– कबीरजी के अनुसार संसार में दुखी व्यक्ति कौन है ?

क– जो व्यक्ति बीमार हैं
ख– जो ज्ञानी और ईश्वर वियोग में हैं
ग– जो व्यक्ति निर्धन हैं
घ– जो अज्ञानी और निश्चिंत है

3– 'हम घर जाल्या आपणाँ' से कबीरजी का तात्पर्य है–

क– मैंने अपने अज्ञान को मिटा दिया
ख– मैंने अपना घर जला दिया
ग– मैंने अपने ज्ञान को मिटा दिया
घ– लोगों ने हमारा घर जला दिया

4– 'लिया मुराड़ा हाथि' में मुराड़ा किसका प्रतीक है ?

क– अंधकार का
ख– ज्ञान का
ग– अज्ञान का
घ– लकड़ी का

प्रश्न–9 निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1×5=5**

मेरी स्वच्छंदता भी बढ़ी। मैं उनकी सहिश्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। मुझे कुछ ऐसी धारणा हुई कि मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ मेरी तकदीर बलवान है, इसलिए भाई साहब के डर से जो थोडा–बहुत पढ़ लिया करता था, वह भी बंद हुआ। मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था और अब सारा समय पतंगबाजी की ही भेंट होता था, फिर भी मैं भाई साहब का अदब करता था और उनकी नज़र बचाकर कनकौए उड़ाता था। मांझा देना, कन्ने बाँधना, पतंग टूनामेंट की तैयारियाँ आदि की समस्याएँ सब गुप्त रूप से हल की जाजी थीं। मैं भाई साहब को यह संदेह नहीं करने देना चाहता था कि उनका सम्मान और लिहाज़ मेरी नज़रों में कम हो गया है।

1– छोटे भाई की स्वच्छंदता बढ़ गई थी क्योंकि–

क– फेल होने से बड़े भाई नरम पड़ गए थे
ख– बड़े भाई उससे डरते थे
ग– बड़े भाई हमेशा पढ़ते रहते थे
घ– बड़े भाई फेल हो गए थे

2– बड़े भाई के डर से छोटा भाई क्या करता था ?

क– थोड़ी–बहुत पढ़ाई करता था
ख– पढ़ाई नहीं करता था
ग– खेलने नहीं जाता था
घ– दोस्तों के साथ खेलने जाता था

3– छोटे भाई को कौन–सा नया शौक पैदा हो गया था–

क– भाई की बात मानने का
ख– पतंगबाजी का
ग– खेलने का
घ– किताबें पढ़ने का

4– छोटे भाई की धारण बन गई थी कि

क– मैं पढ़ूँगा तो ही पास होऊँगा
ख– मैं पढ़ूँ या न पढ़ूँ पास हो जाऊँगा
ग– भाई साहब फेल हो जाएँगे
घ– मैं खेलता हूँ इसलिए पास हा जाता हूँ

5– समस्याएँ गुप्त रूप से हल की जाजी थीं क्योंकि–

क– लोगों का डर था ख– बड़े भाई का सम्मान और लिहाज़ करना था

ग– शिक्षकों का डर था घ– बड़े भाई समस्या हल नहीं कर सकतै थे

प्रश्न–10 निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1×5=5**

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगम्बर का जिक्र मिलता है। उसका असली नाम लश्कर था, लेकिन अरब में उसको नूह के लकब से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक जख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते।' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया, 'न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान हो। बनानेवाला सबका तो वही एक है।'

1– इन पंक्तियों के लेखक का नाम है–

क– प्रेमचंद ख– निदा फाज़ली

ग– रवींद्र केलेकर घ– लीलाधर मंडलोई

2– कुत्ते ने दुत्कार का जवाब दिया था–

क– मेरी नज़रो से दूर हो जाओ ख– बनानेवाला सबका तो वही एक है

ग– मैं अपनी मजी से कुत्ता बना हूँ घ– तुम अपनी पसंद से इनसान बने हो

3– लश्कर को नूह के लकब से याद किया जाता है क्योंकि–

क– वे सारी उम्र रोते रहे ख– उन्होंने कुत्ते को दुत्कारा था

ग– वे पैगम्बर थे घ– वे दुखी थे

4– इन पंक्तियों के द्वारा लेखक हमें संदेश देना चाहते हैं कि–

क– पशु–पक्षियों से दूर रहना चाहिए ख– सबकी बात माननी चाहिए

ग– हमें सबसे प्यार करना चाहिए घ– लोगो को दुत्कारना चाहिए

5– नूह ने कुत्ते को दुत्कारा क्योंकि–

क– कुत्ता घायल था ख– कुत्ता उनके सामने था

ग– वे पैगम्बर थे घ– इस्लाम में कुत्तों को गंदा माना जाता है

खण्ड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न–11 <u>किंहीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए– **2×2=4**

क– तताँरा–वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया ?

ख– मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन कैसे किया है ?

ग– वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया ?

प्रश्न–12 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 50 से 60 शब्दों में लिखिए– **4**

'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

प्रश्न–13 किंहीं दो प्रश्नों के उत्तर 40 से 50 शब्दों में लिखिए– **3×2=6**

क– यदि आप के आस–पास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे ?

ख–'सपनों के–से दिन' पाठ के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

ग– टोपी ने इफ़्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही ?

लेखन

प्रश्न–14 दिए गए संकेतों के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **6**

क– मधुर वचन

- मधुर वचन का अर्थ
- मधुर वचन से लाभ
- मधुर वचन औषधि के समान

ख– आत्मनिर्भरता

- आत्मनिर्भरता का अर्थ
- आत्मनिर्भरता से लाभ
- विकास के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी

ग– पृथ्वी की सुरक्षा– ओजोन की रक्षा

- ओजोन से तात्पर्य
- ओजोन को नष्ट करनेवाले तत्व
- ओजोन को बचाने के उपाय और पृथ्वी की रक्षा

प्रश्न–15 बिजली कटौती न करने का अनुरोध करते हुए विद्युत–अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

पुस्तकालय में हिंदी की पत्र–पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए ।

प्रश्न–16 आप विद्यालय के ड्रामा–क्लब के अध्यक्ष हैं। विद्यालय में हिन्दी नाटक–प्रतियोगिता होनेवाली है। दिन, समय और स्थान की जानकारी देते हुए 30 से 40 शब्दों में एक सूचना–लेख तैयार कीजिए। 5

अथवा

विद्यालय में प्लास्टिक उपयोग रोकने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से 30–40 शब्दों में एक सूचना लेख तैयार कीजिए।

प्रश्न–17 अच्छे बालों के लिए किसी शैम्पू का विज्ञापन 25 से 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

'रश्मि डेवलपर्स' की ओर से नए फ्लैट बेचने के लिए 25 से 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्रश्न–18 दिए गए संकेतों के आधार पर 100 से 120 शब्दों में एक लघु–कथा लिखिए। 5

एक हरे–भरे सुंदर बगीचे में बच्चों का खेलना, बगीचे के मालिक का बच्चों को बगीचे में आने से रोकना, धीरे–धीरे बगीचे का सूखना, मालिक का दुखी होना, कुछ माह बाद मालिक की नज़र से बचकर बगीचे में आकर बच्चों का खेलना, बगीचे का हरा–भरा हो जाना, बगीचे के मालिक का स्वार्थ भूलकर बच्चों को गले लगाना, बच्चों की कोलाहल से चारों ओर खुशियाँ ही खुशियाँ।

अथवा

'अन्याय पर न्याय की जीत' विषय पर 100 से 120 शब्दों में एक लघु–कथा लिखिए।

End of the Question Paper